

प्लूटो और चारोन की ब्रह्मांडीय कहानी

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

एक हालिया अध्ययन के अनुसार, प्लूटो और एक अन्य खगोलीय पिंड के बीच हुई नाटकीय टक्कर से **प्लूटो के सबसे बड़े चंद्रमा, चारोन** का निर्माण हुआ। इसके बाद एक “**किस-एंड-कैप्चर (Kiss-and-Capture)**” घटना हुई, जहाँ दोनों एक दूसरे की परकिरमा करने लगे।

- **असामान्य कक्षा:** पृथ्वी के विपरीत, जिसका चंद्रमा ग्रह की परकिरमा करता है, **प्लूटो और चारोन** को एक “**द्विआधारी प्रणाली**” माना जाता है, जहाँ वे **द्रव्यमान के एक सामान्य केंद्र के चारों ओर परकिरमा करते हैं**, अनविरूप से **कुइपर बेल्ट** के भीतर एक दूसरे की परकिरमा करते हैं, जिससे सौर मंडल में उनका संबंध अद्वितीय हो जाता है।
 - नेपच्यून की कक्षा से परे **कुइपर बेल्ट** एक ठंडा क्षेत्र है जिसमें **बर्फीले पिंड** हैं, यह **क्युबेरन ग्रह बेल्ट** के समान है लेकिन सूर्य से अधिक दूर है।
- **प्लूटो की ग्रहीय स्थिति:** प्लूटो, जो कभी नौवां ग्रह था, को वर्ष 2006 में **अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ** द्वारा “**बौने ग्रह**” के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया था।
 - **बर्फीले परवत, नाइट्रोजन ग्लेशियर और हृदय के आकार के टॉमबाग रेजियो** जैसी अप्रत्याशित विशेषताओं को उजागर करके, **नासा के न्यू होराइजनस मिशन** ने प्लूटो की छवि को एक नरिजीव चट्टान से एक **गतशील, बहुमुखी ग्रह** में बदल दिया।
- **प्लूटो के चंद्रमा:** चारोन (आकार में सबसे बड़ा), नक्सिस, हाइडरा, केरबेरोस और स्टाइकस।

प्लूटो:

- वर्ष 1930 में क्लाइड टॉमबाग द्वारा खोजा गया।
- **व्यास:** 1,400 मील, पृथ्वी के चंद्रमा से छोटा।
- प्लूटो पर एक वर्ष **पृथ्वी के 248 वर्षों** के बराबर होता है; तथा एक दिन **153 घंटे** (लगभग 6 पृथ्वी दिनों) का होता है।
- वायुमंडल में **नाइट्रोजन, मीथेन और कार्बन मोनोऑक्साइड** शामिल हैं, तथा **नीले रंग और धुंध की परतें** हैं।
- सतह का तापमान **-228°C से -238°C** तक है, जो जीवन के लिये बहुत ठंडा है।

और पढ़ें: [ग्रहों की गोलाकार आकृति](#)